6 चौहान राजवंश

1. निम्नलिखित में से (अलाउद्दीन खिलजी के समय शासक–स्थान) सुमेलित नहीं है–
(1) सिवाना– शीतलदेव (2) रणथम्भौर– हम्मीरदेव चौहान
(3) चित्तौड़गढ़– रावल रत्तनसिंह (4) जोधपुर– कान्हड़देव (4)

व्याख्या– अलाउद्दीन खिलजी के समय जालौर का शासक कान्हड़देव था।

2. निम्न में से किस लेख में बूँदी का नाम 'वृन्दावती' मिलता है?
(1) आमेर लेख (2) मानमोरी लेख
(3) बिजौलिया लेख (4) रणकपुर लेख (4)

व्याख्या– प्रारंभ में इस क्षेत्र पर मीणाओं का अधिकार था और बून्दा मीणा के नाम पर बूँदी का नामकरण हुआ। कुंभाकालीन (1439 ई.) रणकपुर अभिलेख में बूँदी का नाम वृंदावती मिलता है।

3. झाला जालिम सिंह के बारे में कौनसा कथन सही नहीं है।
(1) यह कोटा राज्य का शासक था।
(2) यह कोटा का फौजदार, महान कूटनीतिज्ञ एवं राजनेता था।
(3) इन्होंने पिंडारियों के साथ मित्रतापूर्वक संबंध स्थापित किए।
(4) कोटा राज्य का शासन पूर्णतः इनमें निहित था। (1)

व्याख्या– झाला जालिम सिंह कोटा राज्य का दिवान था।

4. अलाउद्दीन खिलजी की निम्नांकित विजयों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिये–
A. रणथम्भौर B. जालौर
C. चित्तौड़ D. सिवाना
(1) A,C,D,B (2) A,B,C,D
(3) A,B,D,C (4) A,C,B,D (1)

व्याख्या– रणथम्भौर (1301), चित्तौड़ (1303), सिवाना (1310) व जालौर (1311)

5. निम्न में से कौनसा चौहान शासक 'चौहानों में पितृहंता' कहलाता है?
(1) सोमेश्वर (2) अपरगांगेय
(3) विग्रहराज चतुर्थ (4) जग्गदेव (4)

व्याख्या– जग्गदेव ने अपने पिता अर्णोराज की 1155 ई. में हत्या कर दी थी।

6. विग्रहराज चतुर्थ के दरबारी विद्वान सोमदेव द्वारा रचित नाटक का नाम है–
(1) ललित विग्रहराज (2) हरिकेली
(3) बीसलदेव रासो (4) पृथ्वीराज विजय (1)

व्याख्या– विग्रहराज के दरबारी विद्वान सोमदेव द्वारा रचित नाटक 'ललित विग्रहराज' जिसमें विग्रहराज एवं इन्द्रपुरी की राजकुमारी देसल देवी के मध्य प्रेम संबंधों का उल्लेख है, जो कि काल्पनिक है।

37. पृथ्वीराज तृत्तीय के घोड़े का नाम था?
(1) शक्ति (2) नाट्य रंभा
(3) विराट (4) पिथोरा (2)

8. चौहान वंश के संस्थापक सहसमल की राजधानी क्या थी?
(1) चन्द्रावती (2) सिरोही
(3) अचलगढ़ (4) शिवगंज (2)

व्याख्या– शिवभान के उत्तराधिकारी सहसमल ने 1425 ई. में वर्तमान सिरोही नगर को बसाकर अपनी राजधानी बनाई।

9. चौहानों का मूल स्थान माना जाता है –
(1) अजमेर (2) नागौर
(3) सपादलक्ष (4) बिजौलिया (3)

व्याख्या– चौहानों का मूल स्थान सपादलक्ष (सांभर झील के आस–पास) का भू–भाग माना जाता है। पृथ्वीराज विजय, शब्द कल्पद्रुम कोष तथा लाडनूं लेख में चौहानों का निवास स्थान जांगल देश, सपादलक्ष, अहिछत्रपुर आदि उल्लेखित है। इससे स्पष्ट होता है कि चौहान जांगल देश के रहने वाले थे और उनके राज्य का प्रमुख भाग सपादलक्ष था उन्हे इसलिए 'सपादलक्षीय नृपति' भी कहते थे।

10. चौहानों की जालौर शाखा के संस्थापक कौन थे ?
(1) धर्मपाल (2) विजयराज
(3) कीर्तिपाल (4) देवराज (3)

व्याख्या– जालौर के चौहान वंश का संस्थापक कीर्तिपाल था। इसने जालौर में चौहान वंश की स्थापना 1181 ई. में की थी।

11. अजमेर में बिठली पहाड़ी पर चौहान शासक अजयराज ने किस वर्ष एक किले का निर्माण करवाया?
(1) 1103 ई. (2) 1113 ई.
(3) 1115 ई. (4) 1133 ई. (2)

व्याख्या– अजयराज चौहान ने 1113 ई. में अजमेर नामक नगर बसाया और बीठली पहाड़ी पर 'अजयमेरू दुर्ग' (तारागढ़) बनवाया।

12. बूंदी में चौहान वंश के शासन की स्थापना करने वाला शासक था?
(1) देवीसिंह हाड़ा (2) राव शत्रुसाल हाड़ा
(3) राव सुर्जन हाड़ा (4) राव बुद्धसिंह हाड़ा (1)

व्याख्या– प्रारंभ में देवीसिंह हाड़ा मेवाड़ राज्य के बम्बावदे का सामंत और हाड़ा शाखा का चौहान था। इसने 1241 ई. में इस क्षेत्र के मीणाओं को हराकर बूँदी राज्य की स्थापना की।

13. सिरोही के किस चौहान शासक ने खानवा युद्ध में महाराणा सांगा का साथ दिया–
(1) जगमाल (2) सुल्तान देवड़ा
(3) अखैराज देवड़ा (4) तेजसिंह (3)

व्याख्या– अखैराज देवड़ा में 1527 के खानवा युद्ध में महाराणा सांगा का साथ दिया। ये तेज गति से आक्रमण करने के कारण 'उड़ना अखैराज' के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

Dhindhwal Publication

14. पृथ्वीराज तृतीय ने महोबा के शासक परमार्दिदेव को 1182 ई. में कौनसे युद्ध में पराजित किया था?
(1) गुड़गाँव का युद्ध (2) नाड़ौल का युद्ध
(3) तुमुल का युद्ध (4) तराईन का युद्ध (3)

व्याख्या– तुमुल के युद्ध में चन्देल शासक परमार्दिदेव के सेनानायक आला व उदल वीरतापूर्वक लड़ते हुए मारे गए।

15. बिजौलिया शिलालेख के अनुसार सांभर झील का निर्माण किस चौहान शासक ने करवाया था?
(1) गुवक प्रथम (2) दुर्लभराज प्रथम
(3) अजयराज (4) वासुदेव चौहान (4)

व्याख्या– वासुदेव चौहान ने 551 ई. में सांभर (सपादलक्ष) झील के आसपास चौहान राज्य की स्थापना की तथा अहिछत्रपुर को अपनी राजधानी बनाया।

16. पृथ्वीराज तृतीय और मोहम्मद गौरी के मध्य कितने युद्ध लड़े गए थे?
(1) 2 (2) 4 (3) 1 (4) 3 (1)

व्याख्या– पृथ्वीराज तृतीय और मोहम्मद गौरी के मध्य तराईन का प्रथम युद्ध (1191 ई.) व तराईन का द्वितीय युद्ध (1192 ई.) दो बड़े युद्ध लड़े गए थे।

17. गोविन्दराज ने रणथम्भौर में चौहान वंश की स्थापना कब की थी?
(1) 1191 ई. (2) 1184 ई.
(3) 1196 ई. (4) 1194 ई. (4)

व्याख्या– रणथम्भौर के चौहान वंश का संस्थापक गोविन्दराज था। जिसने 1194 ई. के लगभग रणथम्भौर में चौहान राज्य की नींव डाली।

18. रणथम्भौर के हम्मीर के विरूद्ध 1299 ई. के आक्रमण में किस मुस्लिम सेनापति ने खिलजी सेना का नेतृत्व किया था?
(1) उलुग खाँ (2) खिज्र खाँ
(3) कामरू (4) नुसरत खाँ (1)

19. 'मैं ऐसे कई दुर्ग मुसलमान के सिर के एक बाल के बदले वार दूँ' यह कथन निम्नलिखित में से किसका है?
(1) अलाउद्दीन खिलजी (2) जलालुद्दीन खिलजी
(3) अकबर (4) खिज्र खाँ (2)

20. हम्मीर देव चौहान ने अपने जीवन में कुल कितने युद्ध लड़े थे?
(1) 16 (2) 15 (3) 17 (4) 12 (3)

व्याख्या– हम्मीर देव चौहान रणथम्भौर का सबसे शक्तिशाली शासक माना जाता है। हम्मीर को 16 युद्धों का विजेता कहा जाता है। 17वें युद्ध में अलाउद्दीन खिलजी से लड़ते हुए मारा गया।

21. कर्नल जेम्स टॉड ने चौहानों को माना है?
(1) ब्राह्मण (2) चंद्रवंशी
(3) विदेशी (4) सूर्यवंशी (3)

व्याख्या– कर्नल जेम्स टॉड, वी.ए. स्मिथ व विलियम क्रूक जैसे विद्वान चौहानों के रस्मों रिवाज के आधार पर उन्हें विदेशी मानते हैं। कर्नल टॉड ने चौहानों को अग्निवंशीय स्वीकार कर इन्हें विदेशी (मध्य एशिया से आए हुए) बताया गया है।

22. निम्नलिखित में से कौनसा साका राजस्थान का प्रथम साका माना जाता है?
(1) रणथम्भौर का साका (2) चित्तौड़ का साका
(3) सिवाणा का साका (4) जालौर का साका (1)

23. देवघोष और धर्मघोष किस शासक के दरबार में 'प्रकाण्ड' विद्वान थे?
(1) सोमेश्वर (2) पृथ्वीराज
(3) अजयराज (4) अर्णोराज (4)

24. वह चौहान शासक जिसने मालवा के परमार शासक नरवर्मन को हराया और अपने राज्य की सीमा का विस्तार मालवा तक कर लिया ?
(1) पृथ्वीराज द्वितीय (2) अजयराज
(3) आनाजी (4) वासुदेव (2)

व्याख्या– अजयराज ने मालवा के परमार शासक नरवर्मन को (अवंति नदी के किनारे) उज्जैन पर आक्रमण कर हराया व उसके सेनापति 'सुल्हाण' को बंदी बनाया, अपने राज्य की सीमा का विस्तार मालवा तक कर लिया।

25. निम्न में से हर्षनाथ शिलालेख (973 ई.) में किस चौहान शासक के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है?
(1) विग्रहराज द्वितीय (2) पृथ्वीराज प्रथम
(3) परमालदेव (4) चंद्रबरदाई (1)

व्याख्या– सीकर जिले के हर्ष पहाड़ी पर हर्षनाथ शिलालेख (973 ई.) विग्रहराज द्वितीय के समय का ही है। हर्षनाथ शिलालेख से विग्रहराज के शासनकाल के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है।

26. 1301 ई. को रणथम्भौर युद्ध में हम्मीर द्वारा हार जाने का प्रमुख कारण किसका विश्वासघात था?
(1) मोहम्मद शाह व केहबू (2) अबुल हसन
(3) रणमल व रतिपाल (4) भावला पंवार (3)

व्याख्या– अलाउद्दीन खिलजी ने रणथम्भौर दुर्ग पर लम्बे समय तक घेरा डाले रखा, जिससे दुर्ग में खाद्यान्न व गोला–बारूद की कमी हो गई थी। रणमल व रतिपाल ने दुर्ग के खाद्यान्न में हड्डियाँ मिलाकर अपवित्र करवा दिया। ऐसी स्थिति में हम्मीर ने लड़ते हुए मरना उचित समझा और 11 जुलाई, 1301 ई. को वीरों ने केसरिया व हम्मीर की रानी रंगदेवी के नेतृत्व में जौहर हुआ।

27. निम्न में से कोटा के किस चौहान शासक के शासनकाल में 'भटवाड़ा का युद्ध' हुआ?
(1) बुद्धसिंह (2) अनिरूद्ध हाड़ा
(3) उम्मेदसिंह (4) शत्रुशाल (4)

व्याख्या– शत्रुशाल प्रथम के समय मुगल बादशाह अहमद शाह ने कोटा राज्य के अधीन आने वाले रणथम्भौर दुर्ग को जयपुर के माधोसिंह प्रथम को दे दिया। जिससे नाराज होकर कोटा की सेना ने झाला जालिम सिंह के नेतृत्व में नवम्बर 1761 ई. में भटवाड़ा (बारां) का युद्ध में जयपुर के शासक सवाई माधोसिंह प्रथम को हराया।

28. रणथम्भौर में स्थित 32 खम्भों की छतरी जिसे 'न्याय की छतरी/जैत्रसिंह की छतरी' कहा जाता है। इस छतरी का निर्माण किस शासक ने करवाया?
(1) हम्मीर देव (2) जैत्रसिंह
(3) कान्हड़देव (4) सामन्तसिंह (1)

29. 'नेह तरंग' नामक पुस्तक की रचना किसके द्वारा की गई थी?
(1) बुद्धसिंह (2) राव बहादुर सिंह
(3) रामसिंह (4) राव अजीत सिंह (1)

30. निम्न में से किस शासक ने 'परमभट्टारक महाराजाधिराज परमेश्वर' की उपाधि ग्रहण की थी?
(1) अजयराज (2) पृथ्वीराज प्रथम
(3) सोमेश्वर (4) दुर्लभराज प्रथम (2)

व्याख्या – पृथ्वीराज प्रथम विग्रह राज तृतीय का पुत्र था। इसने 1105 ई. में पुष्कर के ब्राह्मणों को लूटने आए चालुक्यों को मारा। पृथ्वीराज प्रथम ने 'परमभट्टारक महाराजाधिराज परमेश्वर' की उपाधि ग्रहण की थी।

Lead, Read and Achieve
Dhindhwal Publication

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

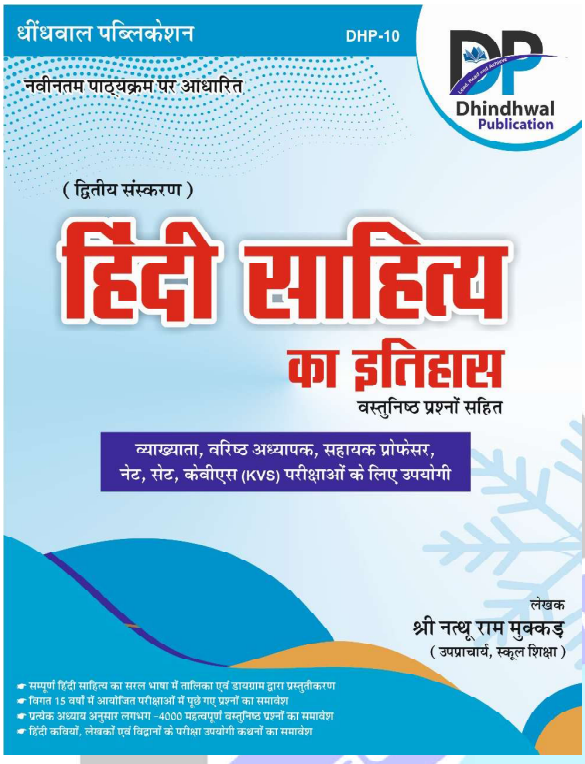

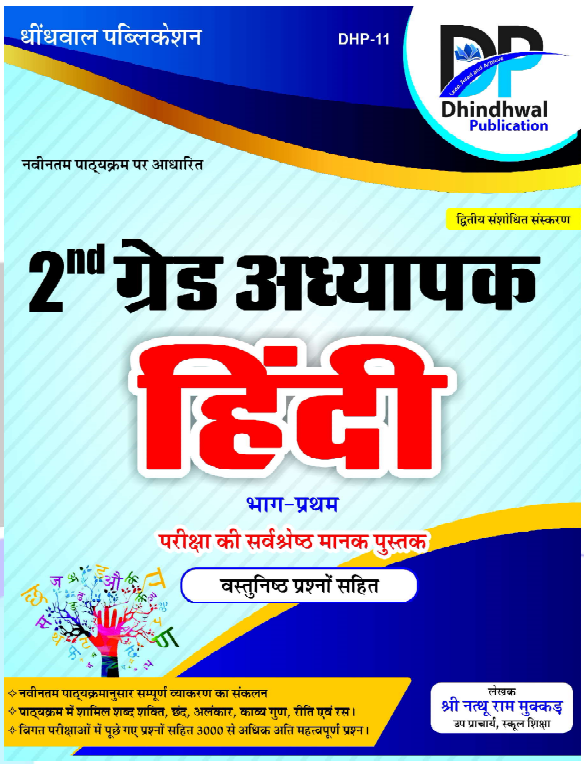

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।